स्व0 श्रीमती विमला देवी जी
दल की प्रेरणाश्रोत एवं पथप्रर्दशक
श्रद्धांजली

अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पाटी का निर्माण स्व0 श्रीमती विमला देवी जी पत्नी श्री राम कृष्ण जी के अथक प्रयास व प्रेरणा से किया गया।

इनका जन्म ई0 को धार्मिक, बौद्धिक, राजनैतिक व मो़क्ष की नगरी तीर्थराज प्रयाग (इलाहाबाद) में गंगा यमुना व सरस्वती के संगम यानि त्रिवेणी के तट पर दारागंज में हुआ था। उनकी माता का नाम स्व0 श्रीमती अम्बा देवी व पिता स्व0 श्री विश्वनाथजी था। उनका विवाह प्रयाग में ही श्री राम कृ"ण पुत्र स्व0 श्री घूरेलाल जी व माता स्व0 श्रीमती रामदुलारी जी के साथ हुआ था। वह बचपन से ही धार्मिक, दयावान, दानी व बहुत ही भावुक एंव कर्तव्य नि"ठ प्रव्त्ति की एक सशक्त स्त्री थी। उन्हे झूठे कर्तव्यविहीन व संस्कारविहीन व्यक्तियों से शख्त नफरत थी। उन्हे भारतीय संस्कृति व सामूहिक परिवार में पूर्णतः विश्वास था। उन्होने अपना पूरा जीवन अपनी क्षमता के अनुसार परिवार व समाज को एक सूत्र में बांध कर समूह में चलने का प्रयास किया और वि"ाम व विरोधाभा"ा परिस्थतियों में भी अपने जीते जी उसे कभी बिखरने नहीं दिया । उनका मानना था कि एक व्यक्ति से परिवार नहीं बनता है, परिवार व्यक्तियों के समूह से बनता है जहां किसी प्रकार की कोई वैमनस्यता, विभेद तथा ऊँच नींच व अमीरी गरीबी का भेद भाव न हो एवं प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्तव्यों का बोध हो। उनका यह भी मानना था कि एक परिवार सबके आपसी प्रेम, सम्मान्, सद्भाव एवं सहयोग से चलता है, जिस परिवार में एक दूसरे के प्रति यथायोग्य सहयोग प्रेम, आत्मीयता, संवेदना, व सद्भाव नहीं होता वहां परिवार बिखर जाता हैं तथा लोगों में वैमनस्यता, ई"र्या व हिंसा और अपराध की प्रवत्ति हावी होने लगती है। उन्होने हमेशा अपनी क्षमता के अनुसार गरीबों व असहायों की मदद की । यह दल उनकी सोच व प्रयास का नतीजा है।

आज वो हमारे बीच नहीं है। उनका सपना था कि इस देश को धर्म, जाति, भा"ा, क्षेत्रवाद व अमीरी गरीबी से उपर उठाकर एक परिवार के रूप में परिभा"ित व विकसित किया जाय एवं सबको बराबरी का व समान अवसर प्राप्त हो। जहां किसी प्रकार की कोई वैमनस्यता, विभेद तथा ऊँच नींच व अमीरी गरीबी का भेद भाव न हो।

आइये हम सब मिलकर उनके इस सपने को साकार करें। उनके इन्ही विचारों को प्रेरणा श्रोत के रूप में अंगीकार करके एक दृढ़ व मजबूत इच्छा शक्ति के साथ इस देश को एक परिवार के रूप में विकसित करने का संकल्प ले और सततृ प्रयत्नशील रहकर इस रा"ट को एक परिवार के रूप में विकसित करें जहां किसी प्रकार की कोई वैमनस्यता, विभेद तथा ऊँच नींच व अमीरी गरीबी का भेद भाव न हो बल्कि सबके अन्दर प्रेम, आत्मीयता, सहयोग, सहायता, संवेदना, सद्भाव तथा सबके प्रति यथा योग्य समव्यवहार के लक्षण विकसित व परिलक्षित हो।

यदि हम सब ऐसा कर पायें तो सही मायने में उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजली होगी।

एकता की ओर तीन कदम

जय जन, जय भारत, **जय जन, जय भारत, जय जन, जय भारत,**

श्री राम कृ"ण जी
संस्थापक
अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी

अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी के निमार्ण का उद्देश्य देश के कमजोर, गरीब, असहाय व बेरोजगार लोगो को आर्थिक, भौतिक व सामाजिक रूप से मजबूत व आत्मनिर्भर बनाना एवं इस देश को एक परिवार के रूप में विकसित करना है। यह तभी संभव है जब इस पार्टी से अधिक से अधिक ऐसे लोग जुड़ेगें जो धार्मिक, जातिगत, भा"ाा व क्षेत्रवाद से उपर उठकर सामूहिक परिवार (ज्वाइंट फैमिली) में विश्वास रखतें हों। तथा एक दूसरें को जोड़ने, आपसी प्रेम व सहयोग एवं एक दूसरे की भावनाओं को समझने व तन मन एवं धन से मदद करने में विश्वास रखतें हो। इसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए प्रत्येक सदस्य को इस दल से कम से कम तीन सदस्यां को इस दल से जोड़ना अनिवार्य होगा। इस कार्य को सफल बनाने के लिए पार्टी/दल के सभी पदाधिकारी व कार्य–कर्ता मिलकर कार्य करे व एक दूसरे का सहयोग करे। मेरी शुभ कामनाएं आप सब के साथ है।एक बात हमेशा याद रखने योग्य है डर कर, हार कर या मजूबर होकर जिम्मेदारियों से कभी मुंह न मोड़े क्योकि जीवन में तकलीफ उसी को आती है जो हमेशा जिम्मेदारियां उठाने को तैयार रहते है और जिम्मेदारियां लेने वाले लोग कभी हारते नहीं वो देश, समाज, व परिवार के लिए एक उदाहरण बन जाते है।

सतत् प्रयत्नशील व संघ"ारित् रहें तथा एकता, प्रेम व सहयोग बनाये रखें
यही राष्ट्र व परिवार की एकता व अखण्डता बनाये रखने का मूल मंत्र है
एकता की ओर तीन कदम

जय जन, जय भारत, **जय जन, जय भारत, जय जन, जय भारत,**

श्री मोहन जी
अध्यक्ष
अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पाटी

किसी भी परिवार, समाज, व देश की उन्नति उसमें बसने वालें व्यक्तियों के आपसी प्रेम, विश्वास, सहयोंग सहायता, सम्मान, त्याग व बलिदान पर आधारित होती है। जहॉ इनका लोप या अभाव होता है वहों अविश्वास, वैमनस्यता, इे"र्या, लोभ, अपराध, हिंसा व भ्र"टावार का बड़ी तीव्र गति से विस्तार होता है और परिवार, समाज, व देश दिन ब दिन अवनति को प्राप्त होता है, देश व समाज आर्थिक रूप गुलाम हो जाता है। मौका परस्त स्वार्थी, भ्र"ट दु"ट व कपटी व्यक्ति सत्ता पर काबिज हो जाते है। ऐसे व्यक्ति छल व कपटपूर्ण बातों से देश व समाज में धर्म, जाति, भा"ा व क्षेत्र के आधार पर वैमनस्यता फेलाकर देश की एकता व अखंडता को तार–तार कर देते है और सबको आपस में
लड़ाकर स्वयं निस्कंटक राज करते है और अपने आपको सबसे बड़ा देश भक्त के रूप में प्रस्तुत करते है।

दुनिया 21वीं सदी में कदम रख रही है दुनिया कहां से कहां पहुंच गयी है लेकिन हम आज भी उन्ही रूढ़िवादी धार्मिक व जातिगत बेड़ियों में जकड़े हुए है। ये एक जहर है और इस जहर से देश को बचाना है, यह तभी संभव है जब हम धर्म, जाति, भा"ा व क्षेत्रीय विभेद मिटाकर एक होंगें।

आइये हम सब मिलकर जातिगत, धार्मिक, भाषा व क्षेत्रीय भेद–भाव से उपर उठकर
इस राष्ट्र को एक परिवार के रूप में विकसित करने का संकल्प लें और गर्व से कहें कि

एक राष्ट्र और एक परिवार।
अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार ।।
न धर्मवाद न जातिवाद ।
न भाषावाद न क्षेत्रवाद ।।
हमारा उद्देश्य सर्वसम्पन्न व सर्वसम्मान।
और प्रकाशवान हो हर इंसान।।
एक राष्ट्र और एक परिवार।
अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार ।।

एकता की ओर तीन कदम
जय जन, जय भारत, **जय जन, जय भारत, जय जन, जय भारत,**

प्रस्तावना

"अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पाटी" विधि द्वारा स्थापित भारत के संविधान के प्रति तथा समाजवाद, पंथ–निरपेक्षता और लोकतंत्र के सिद्धांतों के प्रति सच्ची श्रद्धा और नि"ठा रखेगा तथा भारत की प्रभुता, एकता व अखण्डता को अक्षुण्ण रखेगा।

उद्देश्य एवं लक्ष्य

"अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी" का उद्देश्य प्रत्येक भारतीय को आर्थिक एवं भौतिक उन्नति प्राप्त कराना तथा सुरक्षित संयमित तथा शांति पूर्ण एवं संघात्मक व संवैधानिक नीतिगत उपायों से संयमित एवं सुसंस्कृत तथा जातिगत भेदभाव रहित समाजवादी राज्य कायम करना है तथा राष्ट्रीय भाषा के प्रचार व प्रसार के लिए प्रेरित करना, जिसका लक्ष्य प्रत्येक भारतीय के अन्दर भारत को विश्व का सबसे आर्थिक ,सामाजिक एवं सांस्कृतिक रुप से शक्तिशाली साम्राज्य बनाने के लियं प्रेरित करना तथा उनके अन्दर वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को विकसित व सशक्त करना हैं।

उपरोक्त उद्देश्य एवं लक्ष्यों को साकार करने हेतु प्रत्येक सदस्य को पार्टी के लिए कम से कम 3 सदस्यों को पार्टी से जोड़ना अनिवार्य होगा (जोड़ने वाले सदस्यों की संख्या, समय व परिस्थिति के अनुसार धटाई या बढ़ाई जा सकती ह)। यदि कोई सदस्य पार्टी के लिए पूर्ण निष्ठा ,ईमानदारी एवं लगन से कार्य करता है तथा वह स्वयं 3 या अधिक सदस्यो (जो उस समय निर्धारित हो)को पार्टी से जोड़ता है तो पार्टी उसे प्रोत्साहित करने हेतु पुरष्कृत करेगी/आर्थिक रुप से मदद भी करेगी (यह पुरष्कार/आर्थिक मदद, उस व्यक्ति के कार्य, निष्ठा, ईमानदारी तथा उसके द्वारा पार्टी से जोड़े गये सदस्यों की संख्या इत्यादि पर आधारित होगा)